काव्यामृत

कर्नाटक हिंदी प्रचार समिति,
जयनगर, बेंगलुरु

बहुभाषा संगम संस्थे,
हुबली(पंजीकृत)

संयुक्त रूप से आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी

संपादक
डॉ. वि. रा. देवगिरी
डॉ. विद्यावती राजपूत

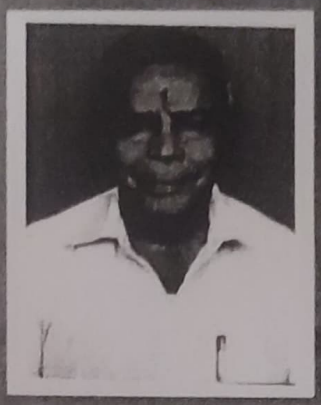

डॉ. वि. रा. देवगिरी
उपाध्यक्ष
कर्नाटक हिंदी प्रचार समिति
बैंगलुरु

संपादक मंडल
धन्यकुमार बिराजदार, शमीम अक्की

नयी रचना नये विचार
अक्षर अक्षर आंखदार

ISBN : 978-93-89194-25-8

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,
बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094
मोबाईल : 9716927587
ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण	:	2020
आवरण चित्र	:	लेखक के सौजन्य
टाईप सेटिंग	:	मनीष कुमार सिन्हा
प्रिंटिंग	:	जी.एस. ऑफसेट, दिल्ली

© संपादक

ISBN : 978-93-89194-25-8
मूल्य : 150 रुपये

गणेश जी

को

समर्पित

PRINCIPAL
Dr. Sairabanu M. Navalgund

प्रकाशक :

अधिकरण प्रकाशन

मकान संख्या-133, गली नम्बर-14, प्रथम तल,
बी-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-110094
मोबाईल : 9716927587
ईमेल : adhikaranprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण	:	2020
आवरण चित्र	:	लेखक के सौजन्य
टाईप सेटिंग	:	मनीष कुमार सिन्हा
प्रिंटिंग	:	जी.एस. ऑफसेट, दिल्ली

© संपादक

ISBN : 978-93-89194-25-8
मूल्य : 150 रुपये

काव्यामृत(कविता संग्रह)-सं. डॉ. वि. रा. देवगिरी, डॉ. विद्यावती राजपूत
Kavyaamrut (Poetry Collection) Edited by Dr. V. R. Devagiri, Dr. V. G. Rajput

गणेश जी
को
समर्पित

PRINCIPAL
Nehru Arts, Science & Commerce
Degree College, HUBBALLI-20.

Dr. Sairabanu M. Navalgund
Head Department of
Nehru Arts, Science &
Commerce College, HUB

हैं। भाषा सहज, सरल और सुबोध है। काव्य कौशल की अपेक्षा काव्य सशक्त एवं सटीक है।

इसमें कविताएँ हैं। जिसमें हिंदी, मराठी, अंग्रेजी भाषा में है। वस्तुतः आज की अधिकांश कविताएँ शिल्प की जटिलता और भाषा की कृत्रिमता से दम तोड़ रही है, पर प्रस्तुत संग्रह की कविताएँ इसका प्रतिवाद है।

कविताओं में कवि की अनुभूति सर्वसवैद्य बनकर उभरी हैं। संग्रहित कविताओं को, अनुभूतियों को अभिव्यक्ति के रूप में पाकर मुझे प्रसिद्ध शायर डॉ. बशीर बद्र की ये पंक्तियाँ याद आ रही हैं :–

तुझे भूल जाने की कोशीशे, कभी कामयाब न हो सकी।
तेरा याद शारवे गुलाब है, जो हवा चली तो लचक गई॥

विश्वास है पाठकों को काव्यामृत रुचेगी और पचेगी। सहृदयी पाठकों की प्रतिक्रिया या इसकी त्रुटियाँ साभार स्वीकार्य हैं क्योंकि उसमें सुधारने में सहायक होंगे। सुनिश्चित यह बगीचा महकेगी इन्हीं चंद शब्दों के साथ यह संग्रह पाठकों के हाथ।

अंत में संपादक मंडल के सहयोगी धन्यकुमार बिरजदार, सुशीला एवं शमीम अक्की के प्रति हार्दिक आभार।

शुभमस्तु!
विकारी नाम संवत्सर उत्तरायण,
हेमंत ऋतु, 12 जनवरी, 2020

–डॉ. वि. रा. देवगिरी,
उपाध्यक्ष
कर्नाटक हिंदी प्रचार समिति,
बेंगलुरू-11

अनुक्रम

संपादकीय	07
नतमस्तक हूँ	11
उत्तरदायित्व	12
गाँव	14
अजन्मी व्यथा	16
लापता हूँ	19
नए दौर ने जादू फेरा, बात पुरानी छू-मंतर!	20
सिक्का	22
या भुमीची ती रक शोभर खरी	23
दिल में यादें छोड़ गये।	25
ब्यूटी पार्लर में एक दिन	27
ऐसा क्यों?	29
सुनहरी जिंदगी	31
पावस	32
बापूजी का प्रकाश	33
महापर	35
सिर्फ तुम हार मानो मत	37

PRINCIPAL
Nehru Arts, Science & Commerce
Degree College, HUBBALLI-20

Dr. Sarabanu M. Navalgund
Head Department of
Nehru Arts, Science &
Commerce College, HUBLI.